• रिश्ता...

यही तो है सोलमेट...

सोलमेट आपका *रोमांटिक पार्टनर, दोस्त, रिश्तेदार या टीचर कोई भी हो सकता है जिसके साथ आप गहरा और मजबूत कनेक्शन महसूस करते हैं। वह आपको चुनौतियां देता है, प्रेरणा देता है, सहारा देता है और हर समय आप के जेहन में होता है। आपको महसूस कराता है कि वास्तव में आपको जीवन में क्या चाहिए। आप उससे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से कनेक्टेड होते हैं। कोई शख्स जिसके साथ आप कंफर्टेबल, ओरिजिनल, पीसफुल और सिक्योर महसूस करते हैं। आप खुश रहते हैं। उसके आते ही आपके मन की बैचेनी दूर हो जाती है और हर तरह के काम में आपका मन लगने लगता है तो समझिये वही है आपका सोलमेट। पहली दफा जब आप उससे मिलते हैं तो वह अजनबी नहीं लगता। उससे बातें करने में आप नर्वस नहीं होते। लगता है जैसे आप इस शख्स से हर तरह की बात शेयर कर सकते हैं। कोई राज रखने की जरूरत नहीं लगती, आप उस पर पूरा*

विश्वास कर पाते हैं. ऐसी फीलिंगस तभी आती है जब आप सोलमेट से मिलते हैं।

भले ही आप की उम्र कितनी भी हो या कितनों के प्रति आकर्षण महसूस कर चुके हो , आप शादीशुदा ही क्यों न हो , जिंदगी का एक मोड़ ऐसा जरूर आता है जब आपको किसी से मिल कर महसूस होता है कि बस यही है वह जिस की तलाश आप के हृदय को थी। उसके साथ आप जीवन में ठहराव और स्थिरता महसूस करते हैं और आपको मन की गहराइयों से महसूस होता है कि आप कभी उससे अलग ही नहीं थे। कोई शख्स जिस के करीब होने से ही आप अपने अंदर ऊर्जा, सकारात्मकता और साहस महसूस करें, हर चुनौती का सामना करने और मुश्किलों को हराने के लिए खड़े हो जाएं और ऐसा लगे जैसे वह शख्स अंधेरों के बीच रोशनी के रूप में आप के साथ है ,वही आप का सोलमेट है।

• जरूरी बातें...

पंडित, रीतिरिवाज, जन्मकुंडली मिलान से अधिक कुछ इन बातों का ध्यान अवश्य रखें। संकोच न करें..

शादी से पहले जान लें

शादी के नाम से सभी के मन में लड्डू फूटने लगते हैं। अगर शादी तय हो जाए तो दोनों पक्षों में जोर-शोर से तैयारियां भी शुरू हो जाती है। आजकल बढ़ रहे तलाक, घरेलू हिंसा, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, धोखा, दहेज प्रताड़ना कहीं आपकी भी खुशियों और खर्च पर पानी फिर जाएं इसलिए, मन और खर्च पर थोड़ी लगाम कसें। खर्च करना ही है तो उचित प्रीवैडिंग इन्क्वायरी पर करें तथा अपने पक्ष के बारे में सच्ची जानकारी के लिए दूसरे पक्ष का सहयोग करें। जिससे उस विवाह के सुखमय भविष्य की संभावनाएं बढ़ती ही जाएं। पंडित, रीतिरिवाज, जन्मकुंडली मिलान से अधिक कुछ इन बातों का ध्यान अवश्य रखें। संकोच न करें..

■ **मेडिकल फिटनेस प्रूफ** - ब्लड ग्रुप के साथ जानें लड़के-लड़की के आंख, कान, हाथ, पैर सब सामान्य हैं या नहीं। सुनने की क्षमता, सही उच्चारण, स्पष्ट बोली का भी फिटनेस प्रूफ लें। हकलाहट या स को श और श को स तो नहीं बोलता या बोलती? पहले ही जान लें कि चाल भटकती तो नहीं। चश्मा लगा है तो कितने पावर का है। कोई बीमारी या वंशानुगत बीमारी, कोई मेजर ऑपरेशन, यदि हुआ है तो उसकी जानकारी आपको भी होनी चाहिए। मानसिक संतुलन, सनक, फोबिया जान कर ही आगे बढ़ें।

■ **क्वालिफिकेशन या आईक्यू स्तर** - शिक्षा, प्रशिक्षा, योग्यता जांच कर ही रिश्ता पक्का करें। आईक्यू का मैच अवश्य बैठाएं। फर्जी डिग्री, सर्टिफिकेट को लेकर बाद में पछताना न पड़े। आजकल धोखे बहुत हो रहे हैं। जोड़े की खुशहाली के लिए दोनों के आईक्यू लेवल का मैच होना तो सब से जरूरी है, यह भूलें नहीं।

■ **इनकम प्रूफ** - लड़का-लड़की कितना कमाते हैं, आपको इसका इनकम प्रूफ अवश्य लेना चाहिए। सीधा-सादा समझ कर लोगों की बातों के झांसे में न आएं, न ही किसी लालच में। आखिर आपके बच्चों का भविष्य इससे जुड़ा है। कोई संकोच न करें, प्रूफ दें भी और लें भी।

■ **हाउस ओनरशिप प्रूफ** - यदि मकान, दुकान, प्लॉट की बातें बताई गई हैं तो सज्जन बने आंखें मूंदे यों ही न मान लें। इन का प्रूफ अवश्य लें ताकि बाद में इसको ले कर मलाल और झगड़े की कोई संभावना न हो।

■ **कैरेक्टर प्रूफ** - कोई मुकदमा, जुर्माना, जेल, सजा, कर्ज, पूर्ववर्तमान कोई नाजायज/दत्तक संबंध तो नहीं? चाल-चलन सही होना बेहद जरूरी है, इसलिए पूरी जांच पड़ताल करें। शराब, जुआ, गुटका, तंबाकू, सिगरेट इत्यादि की बुरी लतें तो नहीं, यह जान लेना भी बहुत आवश्यक है जिससे बाद में कोई परेशानी न उठानी पड़े।

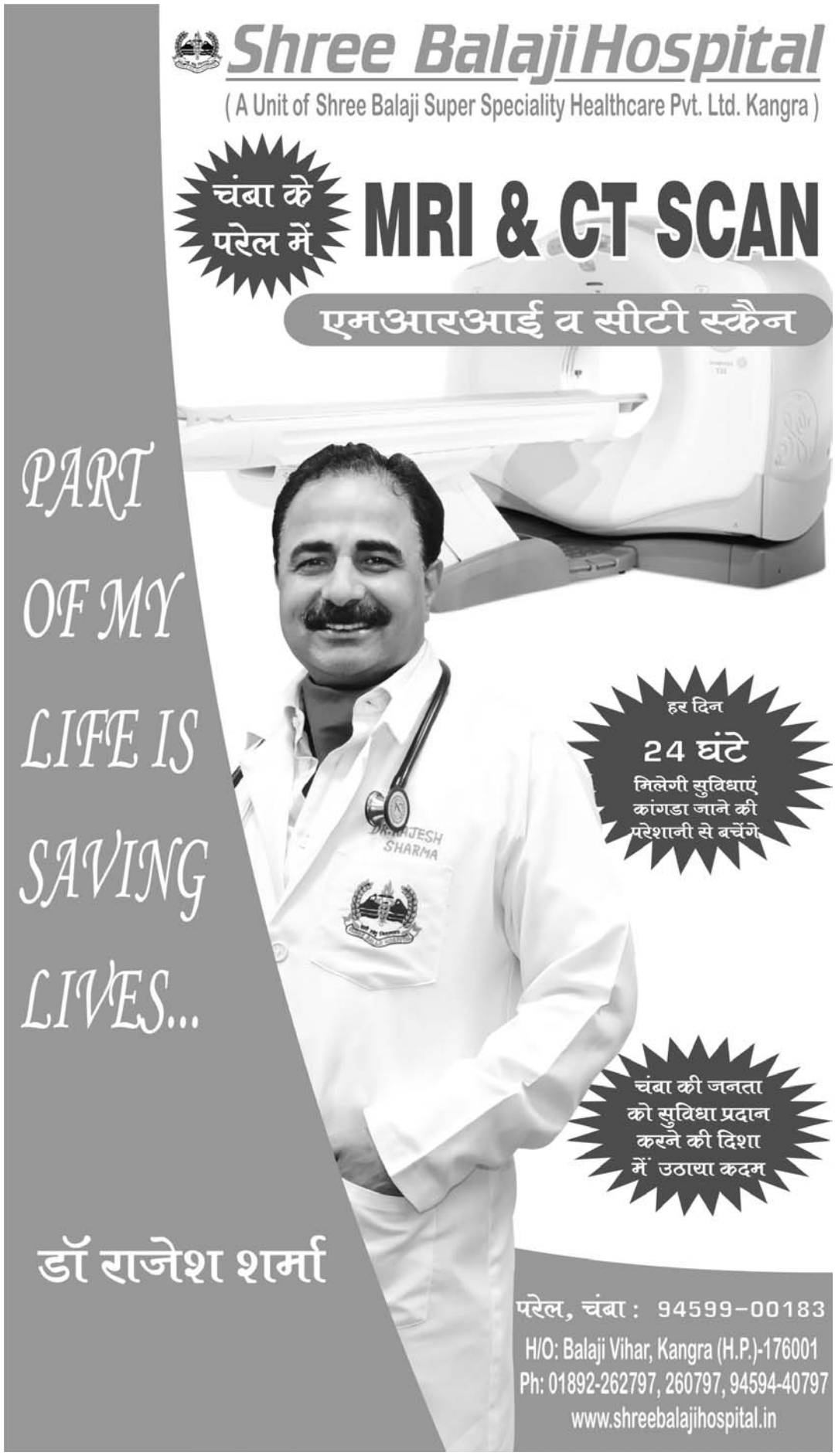

• प्रपोज करने पर...

लड़की बनाए बहाना..

हर कोई चाहता है कि कोई लड़का या लड़की उसे चाहने वाला हो और उसे प्रपोज करे। हालांकि लड़कियां प्रपोज करने में पीछे रहती हैं, लेकिन लड़के किसी भी खूबसूरत लड़की को प्रपोज करने में आगे रहते हैं। और यह लड़कियों के लिए समस्या का कारण बनती हैं क्योंकि इस सिचुएशन को संभाल पाना कोई आसान काम नहीं होता हैं। ऐसे में लड़कियां इस बात को वहीं खत्म करने और प्रपोजल को टालने के लिए कुछ बहानों का सहारा लेती हैं। लड़की अगर लड़के को पसंद नहीं करती तो वह बहाना बनाती है कि मैं तो तुम्हें भाई समझती हूं। मैंने तुम्हें कभी इस नजर से नहीं देखा। यह सुनकर लड़की आगे कुछ कहने की हिम्मत नहीं रखता और लड़की का काम भी बन जाता है। लड़के से पीछा छुड़ाने के लिए लड़की को जब कोई आसान रास्ता नहीं मिलता तो वह बहाना लगाती है कि मैं पहले से ही कमिडेट हूं। इस तरह लड़के की उसमें दिलचस्पी खत्म हो जाती है। अगर लड़कियों को किसी लड़के की यह बात पसंद नहीं आती तो आसानी से यह कहकर पीछा छुड़ा लेती है कि मैं वैसी लड़की नहीं हूं। यह बात लड़के को परेशानी में डाल देती है। लड़कियों का यह भी मानना होता है कि अगर वह प्यार के चक्कर में पड़ गई तो वह पढ़ाई की तरफ ध्यान नहीं दे पाएंगी। ऐसे में वह अपने करियर की बात कहकर लड़के से दूरी बना लेती है।

• एक दूसरे को स्पेस दें..

■ कभी-कभी कुछ परिस्थितियां ऐसी हो जाती हैं जिनमें केवल आप खुद को समझ सकते हैं। उस वक्त अकेले रहने का मन होता है। ऐसे में आप अपने पार्टनर को समय दें। उन्हें उनकी लाइफ जीने दें और आप भी अपनी जिंदगी को थोड़ा समझें। अगर एक-दूसरे की लाइफ में आप ज्यादा दखल देंगे तो इससे आपको अपना रिश्ता बोझ लगने लगेगा। अगर आपका पार्टनर अपने दोस्तों के साथ हैंग-आउट करना चाहता हैं तो उन्हें रोके-टोके नहीं। दोस्तों के साथ समय बिताना हम सबको अच्छा लगता है।